Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding pre-matric scholarships of minorities

श्री सय्यद ईमत्याज जलील (औरंगाबाद): सभापति महोदय, मैं माइनॉरिटी, जिनकी लाखों की संख्या है, उनकी आवाज बनकर यहां पर खड़ा हूं। … (व्यवधान) वे सरकार से सिर्फ एक निवेदन करना चाहते हैं कि हमें पढ़ना है।

सभापति महोदय, कुछ दिन पहले माइनॉरिटी मिनिस्टर ने एक फैसला लिया है कि प्री मैट्रिक स्कॉलरशिप ऑफ माइनॉरिटीज को बंद कर देंगे। उसके कुछ दिन बाद उन्होंने फैसला लिया है कि जो मौलाना आजाद नेशनल फैलोशिप है, वह भी बंद की जा रही है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि उन्होंने तर्क दिया है कि आरटीई (राइट टू एजुकेशन) के अंदर यह फैसिलिटी पहली से आठवीं स्टैंडर्ड के बच्चों को दी जा रही है। लेकिन, हर माँ-बाप चाहता है कि अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाए। आरटीई के अंदर सरकारी स्कूल्स में तो यह मौका मिल जाता है, लेकिन प्राइवेट स्कूल्स में यह मौका नहीं मिलता है।

इसीलिए, हम आपसे और सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं कि हम पढ़ना चाहते हैं। हम इन बच्चों को पढ़ाई से दूर नहीं रख सकते। … (व्यवधान)